

राजस्थान को कोयला आपूर्ति

चर्चा में क्यों?

राजस्थान को 400,000 मीट्रिक टन **कोयला** मलिनने वाला है, जो छत्तीसगढ़ के वाशिंग प्लांटों में फँसा हुआ था।

इस आने वाले कोयले की खदान से राज्य के वदियुत घरों के लिये आपूर्ति बढेगी, जिससे नविसयियों को पर्याप्त वदियुत की गारंटी मलिंगी।

मुख्य बढि:

- वर्तमान में राज्य के सभी 23 वदियुत संयंत्र सक्रयि हैं, उन्हें 25 रेक आपूर्तिप्राप्त हो रही है तथा 7 दनि का अग्रमि स्टॉक रखा गया है।
- अतरिकित 4 लाख मीट्रिक टन से यह स्टॉक 4 दनि के लयि बढ जाएगा, क्यंकि थर्मल प्लांटों को कार्य करने के लयि प्रतिदनि 1 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता होती है।
- छत्तीसगढ़ के कोरबा में आर्यन कोल बेनेफिसिएशन इंडिया लमिटेड (Aryan Coal Beneficiation India Limited- ACBEL) को राजस्थान राज्य वदियुत उत्पादन नगिम द्वारा पाँच साल के लयि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लमिटेड (South Eastern Coalfields Limited- SECL) की खदान से **सूरतगढ़ और छाबड़ा ताप वदियुत संयंत्रों** को कोयला उपलब्ध कराने का अनुबंध दयिा गया था।
 - हालाँकि जुलाई 2022 में छत्तीसगढ़ के राज्य कर (GST) वभिाग, खनजि वभिाग, राजस्व वभिाग और पर्यावरण वभिाग के संयुक्त परयास से ACBEL की वाशिंग सुवधिरँ प्रतिबंध कर दी गई, जिससे राजस्थान का लगभग 4 लाख मीट्रिक टन कोयला वाशिंग सुवधिराओं में फँस गया।

सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट

- सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन राजस्थान का पहला सुपर थर्मल पावर स्टेशन है।
- यह गंगानगर ज़िले के सूरतगढ़ शहर से 27 कमी. दूर स्थति है। इस वदियुत संयंत्र का संचालन राजस्थान राज्य वदियुत उत्पादन नगिम लमिटेड (RVUNL) द्वारा कयिा जाता है।
- इस वदियुत संयंत्र में 6 इकाइयाँ हैं जो 250 मेगावाट वदियुत का उत्पादन कर सकती हैं और 2 इकाइयाँ 660 मेगावाट वदियुत का उत्पादन कर सकती हैं।

छाबड़ा थर्मल पावर प्लांट

- छाबड़ा थर्मल पावर प्लांट राजस्थान के कोयला आधारति वदियुत संयंत्रों में से एक है
- यह राजस्थान के बारां ज़िले में स्थति है।
- इस वदियुत संयंत्र की नयिोजति क्षमता 2320 मेगावाट है।